सरकार की भर्तियों में सकारात्मक प्रगति

"हमारी प्रतिबद्धता देश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की है। केंद्र सरकार की नीतियों और निर्णयों का रोजगार सृजन पर सीधा प्रभाव पड़ता है।

~प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

परिचय

भारत के जॉब मार्केट में हाल के वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो देश की युवा जनसांख्यिकी के कारण है। देश में 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम है, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिभाओं का एक बड़ा समूह तैयार हुआ है। नौकरियों की यह बढ़ती मांग सरकार के भर्ती प्रयासों में परिलक्षित होती है। 2023-24 में, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने ग्रुप बी और ग्रुप सी पदों के लिए भर्ती में पर्याप्त वृद्धि की है। जिसमें विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के लिए 1,41,487 उम्मीदवारों की सिफारिश की गई। यह एक दशक में सबसे अधिक भर्ती है, जो प्रमुख पदों को भरने और सार्वजनिक क्षेत्र के कार्यबल को मजबूत करने के लिए सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एसएससी भर्ती रुझान का अवलोकन

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) इन स्टाफिंग आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि यह केंद्रीय मंत्रालयों और उनके संबद्ध कार्यालयों में ग्रुप बी और ग्रुप सी के पदों के लिए उम्मीदवारों की भर्ती के लिए जिम्मेदार प्राथमिक एजेंसी है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में आयोग ने विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के लिए **1,41,487** उम्मीदवारों की सिफारिश की। ये संख्याएँ एसएससी के भर्ती प्रयासों के महत्वपूर्ण पैमाने और पूरे भारत में सरकारी नौकरियों की बढ़ती माँग को पूरा करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करती हैं।

चयन का एक बड़ा हिस्सा **सीएपीएफ** (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) में **कांस्टेबल**, **असम राइफल्स में राइफलमैन** और **एनसीबी (नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो) में सिपाही** जैसे पदों के लिए किया गया, जिसमें 46,554 उम्मीदवार इन पदों पर भर्ती हुए। ये श्रेणियां ग्रुप सी के भीतर परिचालन और कानून प्रवर्तन भूमिकाओं पर सरकार के फोकस को दर्शाती हैं।

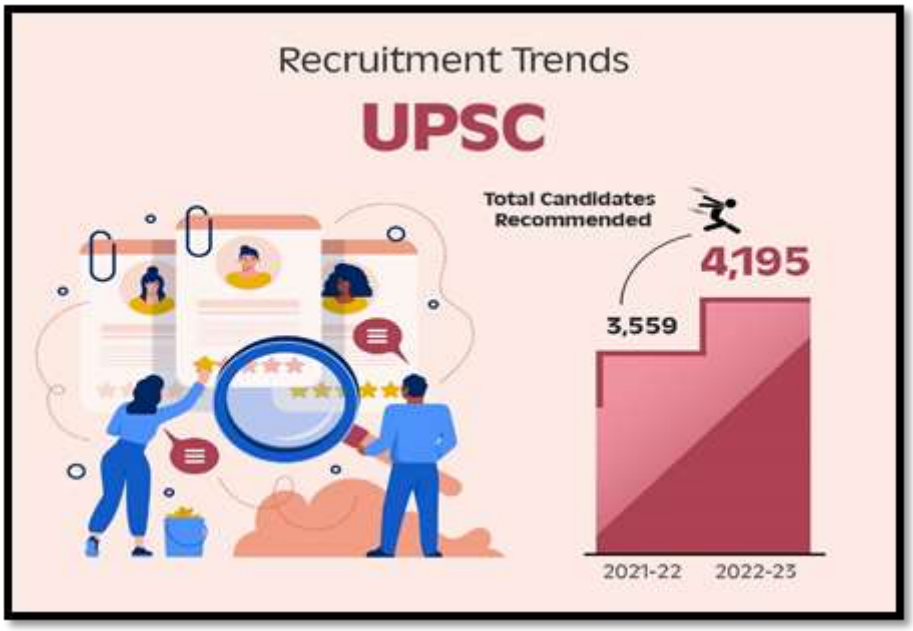

एसएससी के प्रयासों के अलावा, **संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी)** ने भी 2022-2023 में 15 परीक्षाएँ आयोजित करके भर्ती में योगदान दिया है। विभिन्न पदों के लिए कुल **4,195 उम्मीदवारों** को नामांकित किया गया था। एससी, एसटी, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के लिए 1,697 आरक्षित पदों में से, आयोग ने 1,409 उम्मीदवारों को भर्ती किया गया, जिससे 83.1 प्रतिशत आरक्षित पदों को भरा गया। यह विविधता और न्यायसंगत प्रतिनिधित्व पर सरकार के फोकस को दर्शाता है।

भारतीय रेलवे में भर्ती में बढ़ोतरी

भारतीय रेलवे परिचालन आवश्यकताओं, तकनीकी उन्नति और विकास को पूरा करने के लिए लगातार रिक्तियों को भरता रहता है। भर्ती मुख्य रूप से परिचालन और तकनीकी आवश्यकताओं के आधार पर एजेंसियों के साथ मांगपत्र के माध्यम से की जाती है।

कोविड के बाद **2.37** करोड़ से अधिक उम्मीदवारों के लिए दो प्रमुख परीक्षाएँ आयोजित की गईं:

1. **211 शहरों** में **7 चरणों (दिसंबर 2020 - जुलाई 2021)** में **1.26 करोड़ उम्मीदवारों** के लिए **सीबीटी (कंप्यूटर आधारित टेस्ट)**।
2. **191 शहरों** में **5 चरणों (अगस्त 2022 - अक्टूबर 2022)** में **1.1 करोड़ उम्मीदवारों** के लिए **सीबीटी (कंप्यूटर आधारित टेस्ट)**।

इन प्रयासों के परिणामस्वरूप **1,30,581 उम्मीदवारों** की भर्ती हुई।

जनवरी से मार्च 2024 के दौरान 32,603 रिक्तियों के लिए चार केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाएं (सीईएन) अधिसूचित की गई हैं, ताकि सहायक लोको पायलट, तकनीशियन, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) में सब-इंस्पेक्टर और कांस्टेबल के पदों को भरा जा सके।

भारतीय अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र में रोजगार

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में जारी **केएलईएमएस डेटाबेस**, भारतीय अर्थव्यवस्था में रोजगार के रुझान का एक व्यापक दृश्य प्रस्तुत करता है। केएलईएमएस डेटाबेस के नवीनतम अपडेट में वर्ष **2023-24** के लिए अनंतिम अनुमानों से रोजगार में उल्लेखनीय वृद्धि का पता चलता है:

कुल रोजगार: भारत में रोजगार 2023-24 में **64.33 करोड़** तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2017-18 में **47.5 करोड़** था।

रोजगार वृद्धि : 2017-18 और 2023-24 के बीच रोजगार में कुल वृद्धि लगभग **16.83 करोड़** है, जो प्रति वर्ष **2.8 करोड़** नौकरियों की औसत वार्षिक वृद्धि है।

2023-24 वृद्धि: वर्ष 2023-24 के लिए, आरबीआई ने पिछले वर्ष **2022-23** की तुलना में अतिरिक्त **4.67 करोड़** नौकरियों का अनुमान लगाया है, जो रोजगार सृजन की मजबूत गति को दर्शाता है।

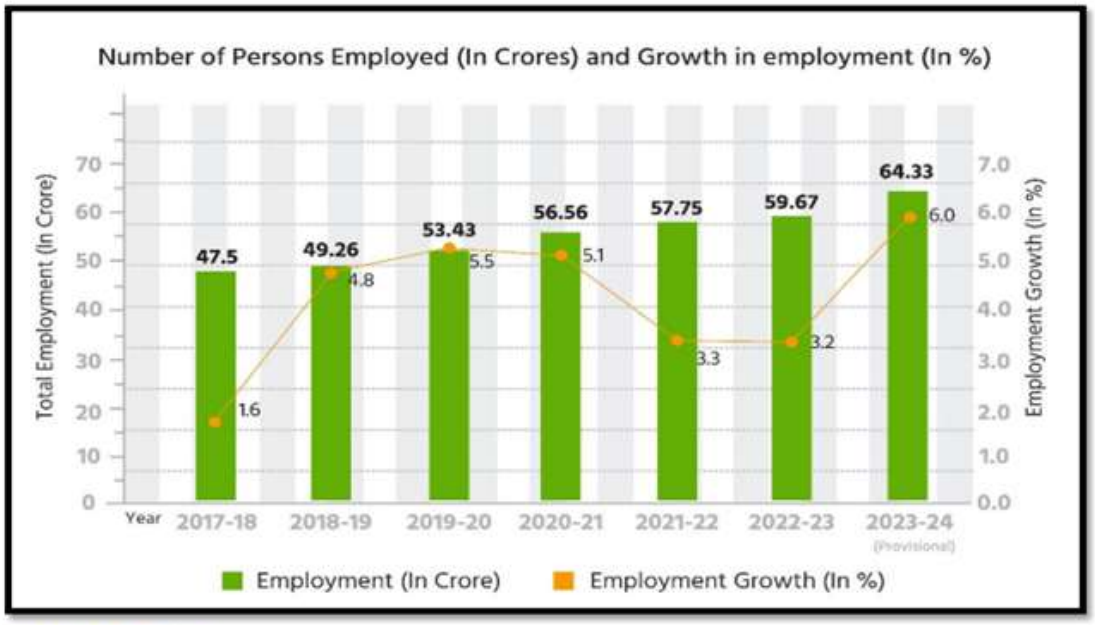

Source: RBI KLEM's data

ये आंकड़े भारत में रोजगार सृजन में सकारात्मक रुझान को उजागर करते हैं, जो पिछले कुछ वर्षों में प्रमुख क्षेत्रों में रोजगार में पर्याप्त वृद्धि दर्शाते हैं। देश में कुल अनुमानित रोजगार 2017-18 के दौरान 47.50 करोड़ की तुलना में 2022-23 के दौरान बढ़कर 59.67 करोड़ हो गया है।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा 2017-18 से आयोजित **आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस)** भारत में रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों के लिए आधिकारिक डेटा स्रोत के रूप में कार्य करता है। यह सर्वेक्षण रोजगार के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है, जिसमें 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए **श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर), श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर)** और **बेरोजगारी दर (यूआर)** जैसे महत्वपूर्ण मापदंड शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार,

श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) जो रोजगार को मापता है, 2017-18 में **46.8 प्रतिशत** से बढ़कर 2023-24 में **58.2 प्रतिशत** हो गया है।

श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) 2017-18 में **49.8 प्रतिशत** से बढ़कर 2023-24 में **60.1 प्रतिशत** हो गई है।

बेरोजगारी दर 2017-18 में **6.0 प्रतिशत** से घटकर 2023-24 में **3.2 प्रतिशत** के निम्नतम स्तर पर आ गई है।

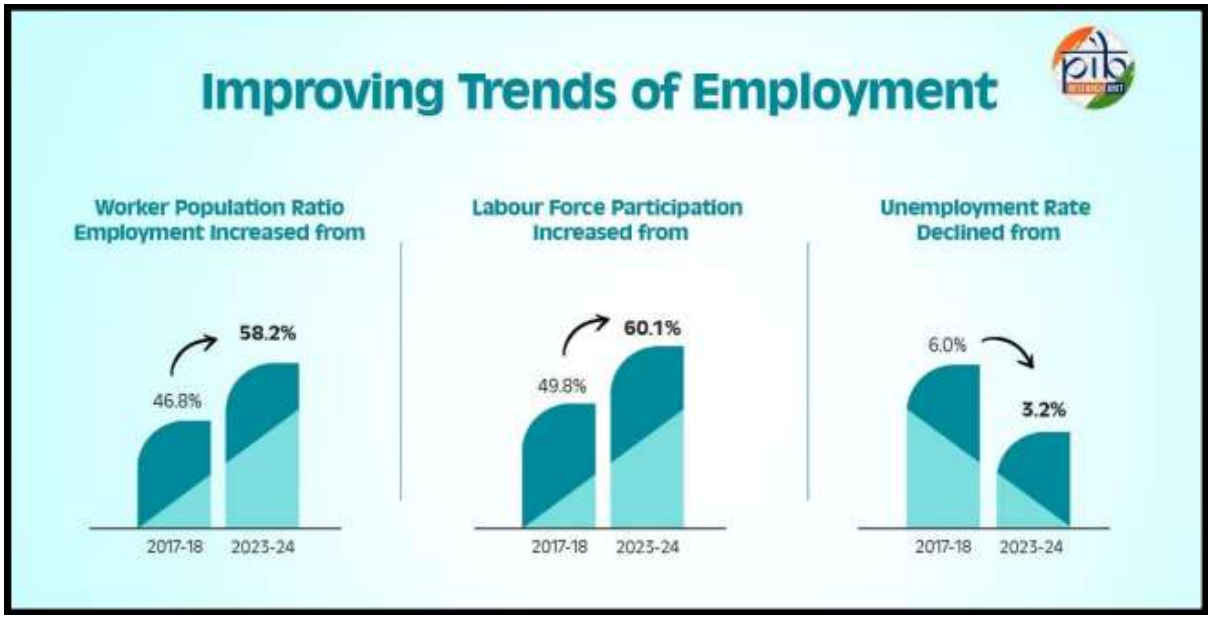

सार

भारत में रोजगार सृजन में वृद्धि और अधिक औपचारिक कार्यबल की ओर परिवर्तन, सार्वजनिक और निजी रोजगार को बढ़ावा देने पर सरकार के फोकस को उजागर करता है। ये प्रयास गतिशील और समावेशी कार्यबल के निर्माण में मदद कर रहे हैं साथ ही भर्ती प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बना रहे हैं। परिणामस्वरूप, सार्वजनिक क्षेत्र का जॉब मार्केट अधिक कुशल और सुलभ होता जा रहा है। रोजगार सृजन पर निरंतर जोर दिए जाने से भारत का रोजगार परिदृश्य सकारात्मक नजर आ रहा है, जिससे भविष्य में और अधिक अवसर मिलेंगे।

संदर्भ

- https://dopt.gov.in/sites/default/files/AR2023-24English.pdf
- https://ssc.nic.in/Downloads/portal/english/Annual_Report_2022-23_English.pdf
- https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2036481

कृपया पीडीएफ फाइल देखें

***

एमजी/केसी/डीवी